इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, मंगलवार, 3 अक्टूबर 2023

चाहे वो गूगल हो या एप्पल या फ्री सॉफ्टवेयर, हमारे कुछ शानदार प्रतिस्पर्धी हैं जो हमें चौकन्ना रखते हैं।
- बिल गेट्स

वर्ष 15 अंक 385 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

प्रैक्टिकल से सीखा आईसीयू के मरीज़ की कैसे करें देखभाल

एरा विश्वविद्यालय में सीएनईआईसी-3 का दूसरा दिन

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय के क्रिटिकल केयर मेडिसिन एण्ड सीटीवीएस विभाग और इण्डियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मिडिसिन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय सीएनईआईसी-3 के दूसरे दिन पैरा मेडिकल स्टाफ को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी गयी। विशेषज्ञों ने छात्र छात्राओं को छह ग्रुप में बांटकर आईसीयू में मरीज की देखभाल का प्रशिक्षण दिया। डॉ. मुस्तहसिन मलिक ने बताया कि एरा विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला चिकित्सा संस्थान है जहां इस प्रकार से पैरा मेडिकल स्टाफ को ट्रेनिंग दी जा रही है। इस मुख्य उद्देश्य नर्सों को प्रशिक्षित कर क्रिटिकल केयर सिस्टम को और मजबूत करना है।

एरा विश्वविद्यालय में नर्सेस इन इमरजेंसी एण्ड इंटेन्सिव केयर विषय में आयोजित सीएमई में एरा नर्सिंग कालेज के छात्रों के साथ अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों व मेडिकल कालेजों के करीब 150 छात्र-छात्राओं और फैकल्टी ने हिस्सा लिया। सीएमई के दूसरे दिन सोमवार को मौका था पैरा मेडिकल स्टाफ को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देने का। इस मौके पर आईएससीसीएम लखनऊ चैप्टर के चेयरमैन डॉ. तन्मय घटक के साथ डॉ. मुस्तहसिन मलिक, डॉ. केपी मल्ल, डॉ. खालिद इकबाल, डॉ. अंजलाक्षी, डॉ. निहाल व डाक्टर आरमिन अहमद समेत कई चिकित्सक मौजूद थे। सीएमई के संयोजक सचिव डॉ. मुस्तहसिन मलिक ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए छह ग्रुप बनाए गए थे। इसमें पैरा मेडिकल स्टाफ को बारी बारी से क्रिटिकल केयर की बारीकियां बतायी गयीं। आईसीयू में मरीज का सैल्पल कैसे लिया जाता है। सैम्पल लेने में किन बातों का ध्यान रखा जाए। ब्लड सैम्पल कब और कितना लेना है उसे लैब में भेजते समय किन बातों को नजरअंदाज करना मरीज के लिए घातक हो सकता है। इसकी जानकारी केजीएमयू के डॉक्टर सौमित्रा मिश्रा व एरा विश्वविद्यालय की डॉ. मधुलिका ने दी। आईसीयू के मरीज को एक जगह से दूसरी जगह या फिर किसी अन्य अस्पताल में शिफ्ट करते समय विशेष सावधानी की जरूरत होती है। केजीएमयू के डॉ. नबील व चन्दन हॉस्पिटल के डॉ. नितिन ने मरीज की शिफ्टिंग के दौरान ध्यान रखने वाले बिन्दुओं पर प्रकाश डाला और पैरा मेडिकल स्टाफ का इसकी प्रैक्टिल जानकारियां दीं। डॉ. मुस्तहसिन ने बताया कि आईसीयू में भर्ती को संक्रमण से बचाना बहुत अहम होता है। संक्रमण उसके लिए जानलेवा साबित हो सकता है। आईसीयू में होने वाले संक्रमण और उससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए उसकी बारीकियां डॉ. आरमिन अहमद ने बतायीं। इस प्रकार की प्रेक्टिल ट्रेनिंग पाकर पैरा मेडिकल स्टाफ के भीतर आत्मविश्वास बढ़ गया। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के डॉ. विशाल अरोड़ा ने सिखाया कि कार्डियक अरेस्ट या सांस ले पाने की स्थिति में आईसीयू के भीतर मरीज को अगर सीपीआर देना हो तो किन बातों पर गौर करना चाहिए। डॉ. मुस्तहसिन मलिक ने व डॉ. अमित ने एंटीबायोटिक एडमिनिस्टेशन के बारे में बताया।

उन्होंने छात्रों को सिखाया कि आईसीयू में जो मरीज बेहोशी की हालत में होता है उसकी देखभाल कैसे करनी है। उसे कौन सा एंटीबायोटिक देना सही रहता है। बताया कि हर एंटीबायोटिक देने का अलग तरीका होता है। आईसीयू में नर्स को मरीज की स्थिति को देखकर तय करना होगा कि एंटीबायोटिक कैसे दिया जाए ताकि मरीज को उसका लाभ मिले। जो मरीज अधिक समय तक बेड पर लेटे रहते हैं उनको बेड सोल होने का खतरा बढ़ जाता है। बेड सोर से मरीज को बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए इसकी जानकारी भी दी। डॉ. मुस्तहसिन ने बताया कि शरीर में प्रेशर प्वाइंट होते हैं उनकी जानकारी होनी बहुत जरूरी है। अगर नर्स को इसका पता होगा तो मरीज की देखभाल उसके लिए आसान हो जाएगी।

हर क्षेत्र में ट्रेनिंग जरूरी : डीआईजी

कार्यक्रम में आए डीआईजी अनीस अहमद अंसारी ने ट्रेनिंग में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पैरा मेडिकल छात्रों को पुरस्कृत किया। इसमें प्रथम पुरस्कार मिला एरा विश्वविद्यालय की आईसीयू नर्स इंचार्ज हिना कैसर, दितीय स्थान पर रहीं एरा विवि की टेक्नीशियन पूजा दीक्षित तथा तीसरा पुरस्कार एसजीपीजीआई की वंदना शर्मा के नाम रहा। अपने सम्बोधन में श्री अंसारी ने कहा कि हर क्षेत्र में ट्रेनिंग बहुत महत्वपूर्ण होती है। इससे व्यक्ति अपडेट होता है और उसकी क्षमता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि समाज को स्वस्थ रखने का जिम्मा डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का होता है। इसलिए उनकी समय समय पर ट्रेनिंग होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण से उनकी क्षमता बढ़ेगी जिसका लाभ लोगों को मिलेगा। श्री अंसारी ने ट्रेनिंग पाने वाले पैरा मेडिकल स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए एरा विश्वविद्यालय प्रबंधन को इस आयोजन के लिए बधाई दी।